

एल आर जी शाधिकर्ताओं ने GIST 'सेल स्लीप' के महत्वपूर्ण नियंत्रक पर एक अध्ययन प्रकाशित किया

एल आर जी शोधकर्ताओं ने 'सेल स्लीप' अध्ययन प्रकाशित किया

फिल अवीला द्वारा

लाइफ़ रैफ़्ट ग्रुप शोध टीम के टीम सदस्य GIST का इलाज ढूँढने के लक्ष्य से किए गए आशाजनक अध्ययनों के परिणामों को निरंतर प्रकाशित कर रहे हैं। हाल के परिणामों में ऐसे सहयोग दिखाई दिए हैं जो इनके प्रयासों का बढ़ावा देते हैं।

डॉ. ऐनेट डेनसिंग की प्रयोगशाला में, डॉ. मारिया डेबेकरिचर के सहयोग में किया गया एक अध्ययन 20 जून को 'कैंसर रिसर्च' में ऑनलाइन प्रकाशित हुआ। इसमें इस खोज का विवरण है कि, "ज़्यादा कुशल इमैटिनिब प्रतिक्रियाओं के लिए DREAM कॉम्प्लेक्स को निशाना बनाने के लिए भविष्य के रोगहर हस्तक्षेप का एक अवसर दें।

DREAM कॉम्प्लेक्स एक ऐसा मल्टी-सबयूनिट कॉम्प्लेक्स है जिसे हाल ही में कोशकीय निष्क्रियता के एक अतिरिक्त नियंत्रक के रूप में पहचाना गया है।

निष्क्रियता (जिसे सेल स्लीप भी कहते हैं) का मतलब है कैंसर कोशिकाएँ बढ़ना तो बंद कर देती हैं परन्तु बनी रहती हैं, उपचार द्वारा नष्ट होने की बजाए। यह अक्सर तब होता है जब रोगियों का इमैटिनिब से उपचार किया जाता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि DREAM कॉम्प्लेक्स फ़ार्मूले को उसके नियंत्रक काइनेज़ (DYRK1A नामक) को लक्ष्य बनाकर रोकने से वे इमैटिनिब-प्रेरित एपौपटॉसिस या कोशिका की मृत्यु को बढ़ा पाए। दूसरे शब्दों में, DYRK1A काइनेज़ को भी लक्ष्य बनाकर, इमैटिनिब के साथ उपचार को ज़्यादा असरदार बनाया जाता है।

डॉ. डेनसिंग, पिट्ट्सबर्ग कैंसर संस्थान विश्वविद्यालय से जुड़े हैं और डॉ. डेबेकरिचर, बेलजियम में ल्यूवेन के कैथलिक विश्वविद्यालय से जुड़े हैं।

जहाँ रिसर्च प्रॉजेक्ट डेनसिंग की प्रयोगशाला में पूरा हुआ वहीं डेबेकरिचर ने एक जीनोग्राफ़्ट अध्ययन (उनकी एक विशिष्टता) से उन्हें बहुमूल्य सहयोग दिया। थेरेपी की बेहतर प्रतिक्रिया पर डेनसिंग की प्रयोगशाला में खास ध्यान दिया जाता है।

इससे एल आर जी रिसर्च टीम के सदस्यों के बीच सहयोग नज़र आता है, जो इनकी रणनीति दर्शाता है: एक टीम के हर एक सदस्य की विशेषज्ञता के साथ काम करना ।

“रिसर्च टीम का सहयोग मेरी प्रयोगशाला के लिए सच में ज़रूरी है,” डेनसिंग ने कहा । यह मेरे अध्ययनों को प्रोत्साहित करता है जो मैं अपने आप नहीं कर सकता था ।

उन्होंने आगे कहा, “यह मारिया के साथ माउस के अध्ययनों पर सहयोग यह साबित करने का मूल-सिद्धान्त था कि **GISTs** सिर्फ प्रयोगशाला में निष्क्रिय नहीं होते, परन्तु जीवों में भी होते हैं।” उन्होंने डाना-फ़ार्बर कैंसर संस्थान के शोधकर्ताओं को भी **DREAM** कॉम्प्लेक्स पर उनके पुराने काम को श्रेय दिया।

शोध-पत्र, जिसके प्रमुख लेखक हैं डेनसिंग प्रयोगशाला के एस.वॉयचुक, का शीर्षक है, “**DREAM** कॉम्प्लेक्स **GIST** कोशिका निष्क्रियता में बीच बचाव करता है और यह इमैटिनिब प्रेरित एपौपटॉसिस को बढ़ाने के लिए एक नया रोगहर लक्ष्य है।” लेख के सारांश के लिए देखें

<http://cancerres.aacrjournals.org/content/early/2013/06/20/0008-5472.CAN-13-0579.abstract>